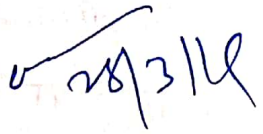


28.3.19

पत्रावली प्रेषण वकील प्रार्थी उपस्थित वी प्रो  
पत्र का सम्यक् अवलोकन किया गया प्रार्थी  
द्वारा प्रो पत्र के लक्ष्य, वांछित अड्डे,  
अध्यायी के अर्थ एवं प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत  
दस्तावेज का आध्यापन गुरु मनन  
अवलोकन किया गया।

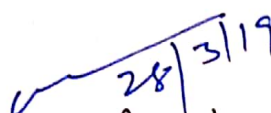
28/3/19

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो हुकम की तरफ में जारी है
	<p>           प्रक(0) वीरिण्डा ग्राम बड़ीदिवा कला            खण्ड नं० 83 रकबा 1.35 हेक्टर खण्ड नं० 80, 81            82 के साथ, धन्नालाल, गौरीशंकर गजानन            मोहनदास पुत्र व कमला, भरोसा पुत्रिया -            तथा नाराणी बंदा पति लख राधाकिसन हिम्सा            1/2, कंवैया पुत्र रामसुख हि० 1/2 के नाम पर            दर्ज रिकार्ड था।            उक्त ग्राम में ल खण्ड नं० 83 रकबा            1.35 हेक्टर में ल कंवैया न अपना 1/2            हिम्सा प्राप्ति की जाती रजिस्टर्ड दानपत्र            दिनांक 18.2.2015 से दान कर दिया उक्त            दानपत्र के द्वारा नामान्तरण नम्बर            397 दिनांक 20.3.15 दान किया जाकर            उक्त खण्ड नं० पर कंवैया के स्थान पर            प्राप्ति का नाम दर्ज किया गया तथा            बंकाया 1/2 हिम्सा पर पूर्वका पूर्व खावेदी -            राम (सिवाय कंवैया) के नाम दर्ज रहे।            पान्च नामान्तरण का अमल अमावसी            में करते समय खण्ड नं० 83 के बंकाय से            खाल के 1/2 हिम्सा पर दानगृहीता राम-            नाथदा का नाम सं० 2070-73 बी -            अमावसी में दर्ज कर दिया गया तथा            एक सुद्विपत्र सं० 2 नि० दि० 1-9-15            से खाल में देवलाल पुत्र रामनाथदा            का रिकार्ड हि० 1/2 का नाम दर्ज कर दिया            गया।         </p>	



तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए
	<p>कोलोनलर सं २०१५-१७ सी जमावंदी के समया खसरा नम्बर पर पुनः प्रार्थी का नाम दर्ज कर दिया गया ख. नं. ८३ जिले कंबोया तम कर चुका था उस पर भी वापस कंबोया का नाम दर्ज कर दिया गया।</p> <p>इस प्रकार यह तय है, कि खसरा नम्बर ८३ पर कंबोया का नाम सुरिप्रवर्ण दर्ज किया गया है, तथा ख. नं. ८०, ८१, ८२ पर प्रार्थी का नाम भी सुरिप्रवर्ण दर्ज कर दिया गया है।</p> <p>पैकेजदार खाफार के जवाब में अंकित किया गया कि रामकृष्ण का वासाविक हिस्सा १/५ ही बनता है, किन्तु कंबोया का प्रकार वर्षित श्रमि में हिस्सा १/५ ही है। ऐसा कोई इस्तावज नहीं है इसके विपरीत ख. नं. ८३ (कबा १-३५) है। से कंबोया द्वारा प्रार्थी का अपना १/२ हिस्सा हथ राज्य अभिसेल्व राम कर रामपत्र का विधिलत पंजीयन कलाया है। ख. नं. ८३ में प्रार्थी का हथ रजिस्टर्ड रामपत्र हिस्सा १/२ नियत है। जिले उकमल किया जाना उचित पाया जाता है।</p> <p>अतः प्रा. पत्र प्रार्थी को स्वीकार किया जाकर यह आदेश दिया जाता है, कि खसरा नम्बर ८३ (कबा १-३५) हेक्टर के १/२ हि. पर प्रार्थी का नाम दर्ज किया जावे। वकाया १/२ हिस्से पर</p>	

२४/३/१५

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए
	<p>नामांक नं० 397 दि० 20.3.15 अजुला (या लहुपार) अजुला नाम मयावत रहेगी यह आदेश खण्ड नं० 83 के ग्राम बैदोरियाकला के अलावा अन्य इमि पर प्रभावी नही होगी रिकार्ड में अमल इतमद ही निर्णय आज दि० 28/3/2019 को भेटे जरा लिखाया जाकर विधुल न्याया- लय में सुनाया।</p> <p style="text-align: right;">             (निमनलाल श्रीवा) )            R.A.S.         </p>	